सांध्य दैनिक

4PM

मित्रता शुद्धतम प्रेम है। ये प्रेम का सर्वोच्च रूप है जहां कुछ भी नहीं मांगा जाता, कोई शर्त नहीं होती , जहां बस देने में आनंद आता है।

–ओशो

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 9 • अंकः 228 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, सोमवार, 25 सितम्बर, 2023

बृजभूषण के बाद अब एक और भाजपा... 7

राजस्थान में राहुल ने भरी चुनावी... 3

प्रदेश में जंगलराज, भाजपा सबसे... 2

देश भर में 4PM यूट्यूब का जलवा

व्यूज बढ़ने के प्रतिशत में देश भर में सबसे आगे, एक महीने में एक करोड़ 67 लाख बढ़े व्यूज

» 89 मिलियन व्यूज के साथ बरकरार रखा दूसरा पायदान

» देश में नंबर वन बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा आगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सत्ता से सवाल करने की आदत और सच को दिखाने की जिद का ही नतीजा है कि आए दिन 4पीएम की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। जिससे लोगों का प्यार भी 4पीएम के लिए लगातार बढ़ता जा रहा है। ये लोगों के प्यार की ही देन है कि 4पीएम का यूट्यूब चैनल दिन दोगुने-रात चौगुने की गति से आगे बढ़ रहा है और आए दिन भारी संख्या में लोग 4पीएम के यूट्यूब चैनल से जुड़ रहे हैं। तभी तो देखते-देखते 4पीएम के कब 10 लाख से सीधे 17 लाख से भी ज्यादा सब्सक्राइबर हो गए पता ही नहीं चला। ये सब संभव हो पाया लोगों के प्यार और 4पीएम के सच को दिखाने और सत्ता से सवाल करने की आदत की बदौलत। अब एक बार फिर 4पीएम यूट्यूब ने एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। 4पीएम यूट्यूब राजनीतिक टिप्पणीकारों में देश भर में दूसरे स्थान पर काबिज है।

डाटा बिंग्स में अगस्त जारी ताजा आंकड़ों में 4पीएम के यूट्यूब चैनल ने इस माह भी अपने दूसरे नंबर के स्थान को बरकरार रखा है। बता दें कि पिछले जुलाई माह में भी 4पीएम दूसरे स्थान पर ही था। लेकिन इस बार 4पीएम के प्रदर्शन में काफी सुधार हुआ है और अब 4पीएम देश भर में नंबर वन राजनीतिक टिप्पणीकार बनने से बस कुछ ही दूर है। जिसे अपने चाहने वालों की बदौलत 4पीएम जल्द ही हासिल कर लेगा।

जुलाई

Top Political Commentators on YouTube - Views Market Share (July 2023)
Excl. mainstream media. View count as of Aug 26 for Jul uploaded videos only

databeings
Colors indicate political leaning

Rank	Channel	#Views (Million)	Views Share	Rank	Channel	#Views (Million)	Views Share
1	DB live	105.3	11%	16	The Jaipur Dialogues	17.2	2%
2	4PM	72.3	8%	17	Sakshi Joshi	15.3	2%
3	CAPITAL TV	62.5	7%	18	Harish Burnwal	15.2	2%
4	National Dastak	59.8	6%	19	The Manish Thakur Show	14.8	2%
5	Ajit Anjum	56.4	6%	20	Bharat Samachar	14.1	2%
6	Pyara Hindustan	56.4	6%	21	The Deshbhakt	13.3	1%
7	Abhisar Sharma	52.0	6%	22	newslaundry	12.4	1%
8	Ravish Kumar Official	46.3	5%	23	Sushant Sinha	9.0	1%
9	Dhruv Rathee	45.3	5%	24	Harsh V. Tripathi	8.3	1%
10	Ulta Chasma uc	44.9	5%	25	Sangam Talks	7.5	1%
11	Article19India	42.0	4%	26	Knocking News	7.4	1%
12	The News	42.0	4%	27	HDV News	5.4	1%
13	Punya Prasun Bajpai	40.2	4%	28	The Sham Sharma Show	4.8	1%
14	The Live Tv	29.6	3%	29	AKTK (Aaj Ki Taaza Khabar)	3.5	0.4%
15	Satya Hindi	29.3	3%	30	The Satya Show	3.3	0.4%
					Total	935.8	100%

thedatabeings.com contact@thedatabeings.com @DataBeings

अगस्त

Top Political Commentators on YouTube - Views Market Share (August 2023)
Excl. mainstream media. View count as of Sep 24 for Aug uploaded videos only

databeings
Colors indicate political leaning

Rank	Channel	#Views (Million)	Views Share	Rank	Channel	#Views (Million)	Views Share
1	DB live	96.8	12%	16	The Live TV	20.6	2%
2	4PM	89.0	11%	17	Bharat Samachar	20.3	2%
3	Ravish Kumar Official	59.6	7%	18	Sakshi Joshi	14.6	2%
4	Ajit Anjum	48.4	6%	19	The Deshbhakt	14.0	2%
5	National Dastak	43.3	5%	20	The Manish Thakur Show	11.5	1%
6	Abhisar Sharma	43.2	5%	21	Harish Burnwal	10.8	1%
7	CAPITAL TV	41.3	5%	22	Sushant Sinha	9.7	1%
8	Dhruv Rathee	39.6	5%	23	newslaundry	9.4	1%
9	The News	39.6	5%	24	Harsh V. Tripathi	7.0	1%
10	Punya Prasun Bajpai	35.6	4%	25	Knocking News	6.4	1%
11	Ulta Chasma uc	34.8	4%	26	Sangam Talks	5.7	1%
12	Article19India	31.7	4%	27	The Sham Sharma Show	5.1	1%
13	Satya Hindi	27.6	3%	28	Satya Sanatan	4.5	1%
14	Pyara Hindustan	25.2	3%	29	HDV News	4.3	1%
15	The Jaipur Dialogues	22.1	3%	30	AKTK (Aaj Ki Taaza Khabar)	4.0	0.5%
					Total	825.6	[illegible]

Note: The channel 'String' which was part of our tracking list appears to be have been terminated by YouTube.

thedatabeings.com contact@thedatabein[illegible]

4PM के व्यूज और शेयर प्रतिशत में हुई बढ़ोत्तरी

डाटा बिंग्स के अगस्त में जारी आंकड़ों के मुताबिक, 4पीएम 89 मिलियन व्यूज के साथ दूसरे नंबर पर काबिज है। जबकि इस दौरान 4पीएम का व्यू शेयर भी 11 प्रतिशत हो गया है, जो जुलाई माह में 8 प्रतिशत था। यानी आंकड़ों से साफ है कि 4पीएम कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है। इन ताजा आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई माह में पहले और दूसरे स्थान में तीन करोड़ तैंतीस लाख का अंतर था जो अगस्त में 78 लाख रह गया। वहीं पहले स्थान पर काबिज यूट्यूब चैनल डीबी लाइव की बात करें तो, डीबी लाइव के जुलाई में 10 करोड़ 53 लाख व्यूज थे, जो अगस्त में घटकर 9 करोड़ 68 लाख ही रह गए हैं। इस प्रकार डीबी लाइव के व्यूज में 85 लाख की भारी कमी हुई है। वहीं 4पीएम के जुलाई में 7 करोड़ 23 लाख व्यूज थे, जो अगस्त में बढ़ कर 8 करोड़ 90 लाख हो गए। इस प्रकार 4पीएम के 1 करोड़ 67 लाख व्यूज बड़े हैं। वहीं 4पीएम और डीबी लाइव के बीच के फासले की बात करें तो 4पीएम डीबी लाइव से जुलाई माह में तीन करोड़ तीस लाख व्यूज पीछे था, जबकि अगस्त में यह अंतर मात्र 78 लाख का बचा है। इस तरह से देखा जाए तो अगस्त के आंकड़ों में 4पीएम ने देश भर में व्यूज की बढ़ोतरी में पहला स्थान प्राप्त किया है।

मौजूदा वक्त में भी 4पीएम कर रहा सत्ता से सवाल

लोगों के प्यार और अपने सच दिखाने की ताकत की बदौलत 4पीएम लगातार सफलता की सीढ़ियों को चढ़ रहा है और देश में आए दिन अपना परचम फहरा रहा है। जिस समय देश की कथित मेन स्ट्रीम मीडिया सिर्फ सत्ता की चारण बनकर बैठ गई है, ऐसे में 4पीएम और उसके संपादक संजय शर्मा ने अपने यूट्यूब चैनल के जरिए सत्ता से तीखे सवाल करना जारी रखा और जनता के सामने लगातार सच को दिखाते रहे हैं। आज उसी सच और सत्ता से सवाल करने के हौसले का ही नतीजा है कि 4पीएम देश भर में दूसरे स्थान पर बरकरार है और बहुत जल्द पहले स्थान पर पहुंचने वाला है।

मुजफ्फरनगर में बच्चे की पिटाई मामले में यूपी सरकार को 'सुप्रीम' फटकार

» कोर्ट ने कहा- धर्म के नाम पर एक बच्चे के साथ ऐसा होना गलत

» सरकार को एक हफ्ते में जांच की निगरानी के लिए आईपीएस अधिकारी नियुक्त करने का आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी के मुजफ्फरनगर के स्कूल में महिला टीचर द्वारा एक बच्चे को दूसरे बच्चों से थप्पड़ मरवाने की घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीरता से लेते हुए यूपी की योगी सरकार को फटकार लगाई है। इस मामले पर सुनवाई करते हुए जस्टिस अभय एस ओक और पंकज मिथल की बेंच ने कहा कि धर्म के नाम पर एक बच्चे के साथ ऐसा होना बहुत गलत है। बता दें कि 24 अगस्त को खुब्बापुर गांव के नेहा पब्लिक स्कूल में शिक्षिका तृप्ता त्यागी ने एक बच्चे को दूसरे बच्चों से थप्पड़ मरवाया था। जिसके बाद घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल हुई थी। कोर्ट ने यूपी सरकार से कहा कि वह मामले की जांच की निगरानी के लिए 1 हफ्ते में किसी आईपीएस अधिकारी को नियुक्त करें। वह आईपीएस अधिकारी यह भी देखे कि इस मामले में किन धाराओं को लगाए जाने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट को जांच पर रिपोर्ट दी जाए। साथ ही गवाहों को सुरक्षा भी दी जाए।

सभी बच्चों को मुफ्त शिक्षा देने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की

शीर्ष अदालत ने कहा कि शिक्षा के अधिकार कानून के तहत सभी बच्चों को मुफ्त शिक्षा देने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। फिर भी बच्चे गैर मान्यता प्राप्त स्कूल में पड़ रहे हैं। इस मामले में तो एफआईआर दर्ज करने में भी देरी हुई है। जजों की बेंच ने कहा कि आरटीई एक्ट के प्रावधान यह स्पष्ट कहते हैं कि किसी बच्चे को जाति, धर्म या लिंग के आधार पर भेदभाव का सामना न करना पड़े। किसी बच्चे के साथ शारीरिक हिंसा न हो। इस मामले में दोनों ही बातों का उल्लंघन हुआ। कोर्ट ने यूपी सरकार को घटना की जांच और बच्चे के पुनर्वास पर रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कहा। मामले की अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी।

प्रदेश में जंगलराज, भाजपा सबसे बड़ी भूमाफिया : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने आरएसएस से पूछा, आपस का झगड़ा सुलझ गया या और उलझा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में पूरी तरह से जंगलराज है। भाजपा सबसे बड़ी भूमाफिया बनकर उभरी है। युवा निराश हैं और वे जान जोखिम में डालकर सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों के पीछे भागने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि इन्हीं युवाओं का गुस्सा देश में बदलाव लाएगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के लखनऊ दौर पर अखिलेश यादव ने कहा कि प्रधानाचार्य की शिकायत पर आए प्रबंधक और उप प्रबंधक ने यदि हेड मास्टर साहब के कार्य और उनकी कार्यपद्धति का आकलन कर लिया हो तो उन्हें बताना चाहिए कि प्रधानाचार्य गलत थे या हेड मास्टर। यह भी बताना चाहिए कि उनके आपस का झगड़ा कुछ सुलझ पाया क्या या फिर और उलझ गया। अखिलेश ने कहा कि जब देश के युवा बेरोजगार अपनी डिग्री की फाइल लेकर जान जोखिम में डालकर सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों के पीछे दौड़ने के लिए मजबूर हों, तो समझा जा सकता है कि वे कितने हताश हैं। भाजपा को याद रखना चाहि कि नौजवान का गुस्सा इंकलाब बनकर बदलाव लाता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने जारी बयान में कहा कि सत्ता के संरक्षण में भाजपा के दबंग लोग अराजकता फैला रहे हैं। कानपुर में भाजपा नेता के धोखे के कारण किसान बाबू सिंह ने आत्महत्या कर ली। उन्हें इंसाफ दिलाने के बजाय ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री नैतिक अवकाश पर गए हैं। प्रदेश में गाजीपुर से लेकर गाजियाबाद और वाराणसी से सहारनपुर तक अपराध की घटनाएं दिनोंदिन बढ़ रही हैं। सरकार निर्दोष लोगों को झूठे मुकदमों में फंसा रही है।

समाजवादी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के महानगर और जिलाध्यक्ष घोषित

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की स्वीकृति से प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने समाजवादी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के 16 महानगर एवं जिलाध्यक्ष घोषित कर दिये हैं। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि अमन धानुक को लखनऊ, सनी वाल्मीकि को मुरादाबाद और गौरव चक को फिरोजाबाद का महानगर अध्यक्ष बनाया गया है। इसी तरह राजकुमार संघर्षी को सोनभद्र, सत्येंद्र कुमार वर्मा को चित्रकूट, लक्ष्मी रतन पासी को प्रतापगढ़, अविनाश कुमार को अंबेडकरनगर, पूरन लाल गौतम को गोंडा, डॉ. नौरतन जाटव को मुरादाबाद, विजय पाल को बिजनौर, राजन कुमार तेजान को शामली, योगेश कुमार उर्फ बिट्टू को हापुड़, दीनदयाल कर्नवाल को सहारनपुर, निलेश श्रीवास को बांदा, जयराम गौतम को ललितपुर और उज्जवल प्रताप कटेरिया को फिरोजाबाद का जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से रविवार को राजस्थान के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अर्जुन देथा और बसंत हरियाणा ने भेंट की। इस दौरान राजस्थान में होने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। समाजवादी पार्टी राजस्थान में इस बार चुनाव में पूरी तैयारी से भाग लेने जा रही है।

रास में दर्शक दीर्घा से नारेबाजी करने वालों पर हो कार्रवाई : जयराम

» उपराष्ट्रपति को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा में दर्शक दीर्घा से राजनीतिक बयानबाजी के मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश और शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट की प्रियंका चतुर्वेदी ने इस संबंध में सभापति जगदीप धनखड़ को पत्र लिखा है। यह घटना 21 सितंबर की है जिस दिन संसद के उच्च सदन में महिला आरक्षण बिल 100 फीसदी बहुमत के साथ पारित हुआ था।

सूत्रों के मुताबिक राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम ने 50 से अधिक दर्शकों की ओर से राजनीतिक नारेबाजी की घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए भारी निराशा जताई है। कांग्रेस नेता ने अपने पत्र में लिखा है कि दर्शक दीर्घा में बैठे कुछ लोगों की ओर से राजनीतिक नारेबाजी और हंगामा करते देखा गया। उन्होंने इसे नियम 264 का स्पष्ट उल्लंघन बताया है। प्रियंका चतुर्वेदी ने राज्यसभा के सभापति से राजनीतिक नारेबाजी के मामले में सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। शिवसेना यूबीटी नेता ने कहा, मैंने राज्यसभा चेयरमैन को पत्र लिखा है। 21 सितंबर को जब सदन में कार्यवाही चल रही थी, तब राजनीतिक नारेबाजी की गई।

विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए है ईस्ट इंडिया कंपनी : राजभर

» बोले- सपा है दगा कारतूस, प्रदेश में एनडीए के सामने कोई चुनौती नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने रविवार को आइएनडीआइए गठबंधन पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इसे तो ईस्ट इंडिया कंपनी कहिए। ये सब ईडी, सीबीआइ के डर से इकट्ठा हुए हैं। प्रदेश सरकार में मंत्री बनने के सवाल पर कहा कि आपके भावना की कदर की जाएगी। घोसी उपचुनाव में एनडीए की हार पर कहा कि चुनाव आते जाते रहते हैं, एनडीए 210 बूथों पर जीता है।

महिला आरक्षण बिल को लेकर पूर्व मंत्री ने विपक्षी दलों को आड़े हाथों लिया

और कहा कि जब वह मालिक थे तब साहस नहीं जुटा पाए। ओमप्रकाश राजभर ने इससे पहले तुलसीपुर (बलरामपुर) में अपनी पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा कि जनता समाजवादी पार्टी को दगा कारतूस समझ रही है। प्रदेश में एनडीए के सामने कोई चुनौती नहीं है।

ममता बनर्जी के स्पेन दौरे पर कांग्रेस ने उठाये सवाल

सैलरी नहीं लेतीं तो लग्जरी होटल में कैसे ठहरीं

» अधीर रंजन बोले- बंगाल में कितना निवेश आया बताये सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम स्पेन दौरे पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने सवाल उठाए हैं। चौधरी ने कहा कि जब राज्य में डेंगू के मामले बढ़ रहे हैं तो ऐसे समय में सीएम ममता बनर्जी विदेश कैसे जा सकती हैं। वह लोगों का दर्द नहीं समझ रही हैं। चौधरी ने ममता के स्पेन में एक लग्जरी होटल में ठहरने पर भी सवाल खड़े किए।

चौधरी ने मुर्शिदाबाद में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि हमने पहले ही राज्य सरकार को आगाह किया था कि अगस्त-सितंबर में डेंगू के मामले बढ़ेंगे। यह सरकार आम जनता के प्रति लापरवाह है। वह स्पेन जा सकती हैं

लेकिन वह आम लोगों का दर्द नहीं समझ सकतीं। ममता के स्पेन में लग्जरी होटल में ठहरने की खबरों पर कहा कि हमने सुना है कि सीएम सैलरी नहीं लेतीं और वह अपनी किताबों और पेंटिंग्स को बेचकर अपने खर्चे चलाती हैं। ऐसे में वह कैसे मैड्रिड के लग्जरी होटल में ठहर सकती हैं, जिसका किराया तीन लाख रुपये प्रति दिन है? चौधरी ने कहा कि इस विदेश दौरे पर कितना खर्च हो रहा है? कौन सा उद्योगपति यहां निवेश कर रहा है? लोगों को बेवकूफ बनाना बंद कीजिए। सरकार ने विश्व बांग्ला उद्योगपति सम्मेलन के आयोजन पर जितना खर्च किया, अगर उसका 10 प्रतिशत भी वापस आ जाए तो उससे बंगाल के लाखों बेरोजगारों को रोजगार मिल जाएगा।

असल मुद्दों से ध्यान हटा रही सरकार

शांति निकेतन को यूनेस्को की विरासत स्थली में जगह मिलने पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि शांति निकेतन को किसी प्रमाण की जरूरत नहीं है, उसकी अपनी पहचान है। पहले ये तो देखिए कि क्या शांतिनिकेतन में वैसा माहौल है, जैसा रविंद्रनाथ टैगोर चाहते थे! हर दिन तो वहां आरएसएस और टीएमसी कार्यकर्ताओं में झगड़े होते रहते हैं। संसद से महिला आरक्षण बिल पारित होने पर अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि यह सिर्फ लोगों की असल दिक्कतों से ध्यान हटाने के लिए लाया गया है। मोदी सरकार चुनाव से पहले ऐसे मुद्दे ला रही है, जिनमें महिला आरक्षण बिल और वन नेशन, वन इलेक्शन जैसे मुद्दे हैं।

वायनाड से नहीं हैदराबाद से चुनाव लड़ें राहुल : ओवैसी

» बोले- बाबरी मस्जिद और सचिवालय की मस्जिद कांग्रेस के शासन में की गयी ध्वस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को आगामी लोकसभा चुनाव में वायनाड से नहीं बल्कि हैदराबाद से चुनाव लड़ने की चुनौती दी। एआईएमआईएम प्रमुख अपने संसदीय क्षेत्र हैदराबाद में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर ओवैसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बाबरी मस्जिद को देश की सबसे पुरानी पार्टी के शासन में ध्वस्त किया गया था।

उन्होंने कहा, मैं आपके नेता (राहुल गांधी) को चुनौती दे रहा हूं कि वह वायनाड से नहीं बल्कि हैदराबाद से चुनाव लड़ें। आप बड़े-बड़े बयान देते रहते हैं, मैदान में आते हैं और मेरे खिलाफ लड़ते हैं। कांग्रेस के लोग बहुत कुछ कहेंगे, लेकिन मैं तैयार हूं। उन्होंने आगे कहा कि बाबरी मस्जिद और सचिवालय की मस्जिद को कांग्रेस के शासन में ध्वस्त कर दिया गया था। गौरतलब है, तेलंगाना में कांग्रेस और एआईएमआईएम के बीच टकराव चल रहा है क्योंकि दोनों पार्टियां इस साल के अंत में होने वाले राज्य के आगामी विधानसभा चुनावों में शीर्ष पर पहुंचने के लिए जोर आजमाइश कर रही हैं।

तुक्कुगुडा में तिकड़ी के खिलाफ लड़ रहा

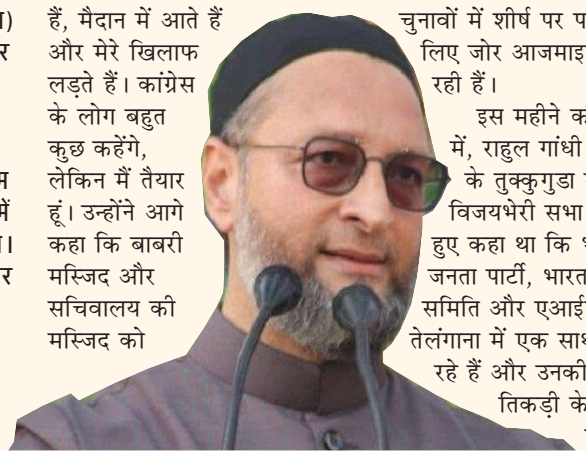

इस महीने की शुरुआत में, राहुल गांधी ने तेलंगाना के तुक्कुगुडा में विजयभेरी सभा में बोलते हुए कहा था कि भारतीय जनता पार्टी, भारत राष्ट्र समिति और एआईएमआईएम तेलंगाना में एक साथ काम कर रहे हैं और उनकी पार्टी इस तिकड़ी के खिलाफ लड़ रही है।

महिला आरक्षण बिल पर कांग्रेस और पूरे विपक्ष का दिखा असल चेहरा

हैदराबाद। लोकसभा में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) द्वारा महिला आरक्षण विधेयक के खिलाफ मतदान के कुछ दिनों बाद, पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने वाले दो वोटों ने संसद को हैरान कर दिया। अपने संसदीय क्षेत्र हैदराबाद में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि भाजपा नेता कहते रहे कि हमारे दो सांसदों ने महिला आरक्षण विधेयक के खिलाफ मतदान किया। लेकिन, हमने संसद को हैरान कर दिया है। एआईएमआईएम नेता ने कहा कि उन्होंने पूरे देश को दिखाया कि भाजपा और कांग्रेस एक साथ हैं और वह अकेले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, जब सभी ने कहा कि 450 सांसद मेरे खिलाफ हैं, तो मैंने पूरे देश को बताया कि कांग्रेस और बीजेपी एक साथ हैं और समाजवादी पार्टी और कांग्रेस भी एक साथ हैं। मैं अकेले पीएम मोदी के खिलाफ लड़ रहा हूं और आप सभी एक साथ हैं।

राजस्थान में राहुल ने भरी चुनावी हुंकार

» बोले- बीजेपी घबरा गई, कांग्रेस कार्यकर्ता बब्बर शेर

» कहा - कांग्रेस फिर से बना रही सरकार

» केंद्र की गलत नीतियों का करेंगे बहिष्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर अभी से सभी पार्टियों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। राजस्थान में कांग्रेस चुनावी मोड में आ गई है। पार्टी के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी ने वहां पर कार्यकर्ताओं में जोश भरना शुरू कर दिया है। शनिवार (23 सितंबर) को राजस्थान में कार्यकर्ता सम्मलेन को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उधर चुनाव से पहले वार पलटवार की राजनीति भी शुरू हो गई है। कांग्रेस ने आज इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के इस्तेमाल पर एक बार फिर शंकाएं व्यक्त की हैं, जिसपर भाजपा ने पलटवार किया है।

वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पार्टी है तो हम सब हैं, जब तक राजनीतिक ताकत है तब तक हम बचे रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का पहला अधिवेशन जयपुर में ही हुआ था। वो एक ऐतिहासिक अधिवेशन था, अब ऐसा कभी नहीं होगा। उस समय में राजस्थान के लोगों ने दिल खोलकर मदद और इसकी चर्चा देशभर में हुई। अधिवेशन को लेकर नेहरूजी ने भी कि इस पर इतना पैसा खर्च करने की जरूरत नहीं थी, लेकिन राजस्थान के लोगों ने कहा कि हम सब मिलकर कर रहे हैं। उन्होंने जयपुर में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ नए कांग्रेस कार्यालय की आधारशिला भी रखी। केंद्र को निशाने पर लेते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पहले, वे (केंद्र सरकार) महिला आरक्षण के बारे में बात नहीं कर रहे थे, उन्होंने भारत या इंडिया नाम के विवाद पर चर्चा के लिए एक विशेष सत्र की घोषणा की थी, लेकिन जब उन्होंने देखा कि इस मुद्दे पर लोग सहमत नहीं हुए तो वे घबरा गए, क्योंकि विशेष सत्र की घोषणा पहले ही कर दी गई थी, इसलिए वे महिला आरक्षण विधेयक लाए। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि हमने विधेयक का समर्थन किया। बीजेपी कह रही है कि महिला आरक्षण लागू करने के लिए नई जनगणना और परिसीमन की आवश्यकता है, लेकिन वास्तव में 33 प्रतिशत आरक्षण आज लागू किया जा सकता है, बीजेपी आरक्षण में 10 साल की देरी करना चाहती है और हम चाहते हैं कि इसे लागू किया जाए और हम चाहते हैं कि ओबीसी महिलाओं को इसका लाभ मिले। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ये कार्यकर्ताओं का सम्मेलन है, दूर-दूर से लोग आए हैं, जैसे राजस्थान में रणथंभौर है और वहां एक शेर को देखने में कई घंटे लग जाते हैं, वो शेर भी एक झलक दिखा के भाग जाता है, मैंने पहली बार देखा है, यहां हजारों बब्बर शेर एक साथ बैठे हुए हैं, नफरत का बाजार नहीं है, मोहब्बत की दुकान है।

ईवीएम बहाना, परिवार को बचाना : भाजपा

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तिवारी की बात पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि ईवीएम एक बहाना है, क्योंकि कांग्रेस आगामी चुनाव में परिवार को बचाना चाहती है, लेकिन दुर्भाग्य से पार्टी सोचती है कि लोग उनसे कोई सवाल नहीं पूछेंगे। पूनावाला ने इसी के साथ सवाल पूछते हुए कहा कि जब कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस चुनाव जीती तो ईवीएम और चुनाव आयोग ठीक था, लेकिन जब उन्हें आगामी राज्य चुनावों या राष्ट्रीय चुनावों में हार दिखाई दे रही है तो वे पहले परिवार को बचाने के लिए एक बहाना बनाना शुरू कर देते हैं।

लोकसभा चुनाव में वोटिंग बैलट पेपर से हो : मनीष तिवारी

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने ईवीएम पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगले साल लोकसभा चुनाव में वोटिंग बैलट पेपर के जरिए होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रौद्योगिकी का बंधक नहीं बनाया जाना चाहिए। लोकतंत्र बेहद कीमती है और इसे तकनीक पर नहीं छोड़ा जा सकता। सवाल यह नहीं है कि क्या ईवीएम में हेरफेर किया गया। सवाल यह है कि क्या ईवीएम में हेरफेर किया जा सकता है। मेरा मानना है कि यह अब वापस बैलट पर लौटने का समय है। अगले साल के लोकसभा चुनावों में बैलट पेपर का उपयोग होना चाहिए। ईवीएम है तो एक मशीन ही न, इसमें हेराफेरी कर हैकिंग हो सकती है।

फिर बनेगी हमारी सरकार: गहलोत

इस सम्मेलन में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि आज पूरा कांग्रेस परिवार जयपुर में बैठा है। आजादी के बाद पहली बार प्रदेश कांग्रेस कमेटी का भवन बन रहा है, आज राजस्थान आर्थिक विकास दर में उत्तर भारत में नंबर वन पर आ गया हैं, यह बहुत गर्व की बात है, राजस्थान में गुड गवर्नेंस हुई है, हमारा संकल्प होना चाहिए कि किसी भी कीमत पर इस बार फिर से हमारी सरकार बननी चाहिए।

30 साल का इतिहास बदलेगा : पायलट

कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सचिन पायलट ने कहा कि दो महीने बाद जब राजस्थान में वोट पड़ेंगे तो 30 साल का इतिहास बदलेगा। एक बार फिर कांग्रेस की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान ही नहीं मध्यप्रदेश समेत विधानसभा चुनाव वाले सभी राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनेगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन जीतेगा। पायलट ने करीब दो मिनट भाषण दिया, जिसमें उन्होंने जयपुर में कांग्रेस कार्यालय बनने से पार्टी के ताकत मिलने की बात कही।

महिला आरक्षण जब लागू होगा तब तक मोदी नहीं रहेंगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि महिला आरक्षण बिल का ये लोग जश्न मना रहे हैं। ये बिल राजीव गांधी जी लेकर आए थे। हमने इस बिल का समर्थन इसलिए किया ताकि ये लोग बाद में ये ना कह पाएं कि कांग्रेस पीछे हट गई। लेकिन, हमने सदन में महिला आरक्षण बिल पर अपनी बातें रखीं, कहा कि इसे जल्द लागू करो, ओबीसी के लिए आरक्षण दो। 10 साल में जब तक ये लागू होगा, तब तक मोदी नहीं रहेंगे। खरगे ने कहा कि मोदी जी ने सदन का विशेष सत्र पांच दिन के लिए बुलाया था, लेकिन चार दिन में खत्म कर दिया। इन्होंने ये सत्र काम के लिए नहीं सदन की नई बिल्डिंग दिखाने के लिए बुलाया था। वहां नेताओं, अभिनेताओं ने फोटो सेशन किए, मैं कहना चाहता हूं कि ये सदन फोटो खिंचाने के लिए नहीं है, ये जनता के काम करने के लिए है। खरगे ने कहा कि हम सिर्फ भाजपा के खिलाफ नहीं लड़ रहे। हम ईडी, सीबीआई और तमाम एजेंसियां लगा देते हैं। हमारी सभा होती है तो ईडी का छापा पड़ जाता है। और फिर भाजपा वाले कहते हैं कि हम संविधान से चल रहे हैं। खरगे ने कहा कि हम सबको मिलकर काम करना है और प्रदेश में सरकार को रिपीट कराना है। एक पल रुकने से दूर हो गई मंजिल, सिर्फ हम ही नहीं रास्ते भी चलते हैं, तुम रुक जाओ तो वहीं खड़े हो जाएंगे, अगर चलते रहे तो रास्ते भी चलते रहेंगे... इसलिए मैं कहता हूं कि छोटी मोटी बातें भूल जाओ और पार्टी की जीत के लिए मेहनत करो।

जम्मू-कश्मीर की सियासत में दिखेगा नया रंग

» हुर्रियत-जी प्रमुख मीरवाइज फारूक की रिहाई की चर्चा

» लोकसभा चुनाव से पहले मीरवाइज की रिहाई केंद्र का बड़ा सियासी दांव

» एक तीर से कई लक्ष्यों पर निशाना

» नेंका, पीडीपी ने किया स्वागत

» रिहाई से पहले भाजपा प्रवक्ता द्राक्षां मिलीं, अल्ताफ पहले मिल चुके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सियासत में आने वाला समय कुछ नया रंग दिखा सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि चार साल से नजरबंद हुर्रियत (जी) प्रमुख मीरवाइज उमर फारूक को रिहा कर दिया गया। जानकार कह रहे हैं कि लोकसभा चुनाव से पहले फारूक की रिहाई से केंद्र सरकार ने बड़ा सियासी दांव चला है। उधर रिहाई के तत्काल बाद ही मीरवाइज ने अपनी भूमिका स्पष्ट कर दी है। कश्मीर मसले का हल तथा कश्मीरी पंडितों की वापसी के लिए प्रयास करने की बात कर उन्होंने यह जता दिया है कि आने वाले दिनों में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। कश्मीर के प्रतिनिधि चेहरे के रूप में मीरवाइज को पेश कर केंद्र सरकार पाकिस्तान को भी कड़ा संदेश देना चाहती है, क्योंकि मीरवाइज कभी पाकिस्तान के कट्टर समर्थक नहीं रहे हैं। कश्मीर मामलों के जानकार विशेषज्ञों का कहना है कि मीरवाइज का न केवल कश्मीर में बल्कि मध्य एशिया में भी जबर्दस्त प्रभाव है। अलगाववादियों के गढ़ माने जाने वाले श्रीनगर के डाउनटाउन में अकेले मीरवाइज के छह लाख फॉलोअर बताए जाते हैं। कश्मीर के मौलवी तथा मौलानाओं में भी उनकी गहरी पकड़ है।

रिहाई से पहले जम्मू कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष व भाजपा प्रवक्ताा डॉ. द्राक्षां अंद्राबी नगीन स्थित आवास पर जाकर मीरवाइज से मिलीं। उनका कहना है कि वह चूंकि धार्मिक संस्थाओं की प्रमुख हैं। इस नाते उनसे मुलाकात हुई। सरकार ने अमन का माहौल बनाया है। चार साल बाद सरकार ने उनकी रिहाई की, उन्होंने जामिया से तकरीर की, लेकिन कहीं भी न पथराव हुआ और न ही गोलियां चलीं। सकारात्मक रूप से उनकी रिहाई को लिया जाना चाहिए। 370 खत्म होने के बाद अलगाववादियों का अस्तित्व समाप्त हो गया है। गिलानी गुट के लगभग सभी प्रमुख नेता या तो जेल में बंद हैं या फिर भूमिगत हैं। ऐसे में पाकिस्तान की आवाज उठाने वाला कोई नहीं बचा। बदली परिस्थितियों में सक्रिय अलगाववादी अब मुख्य धारा की राजनीति में जगह खोजने लगे हैं।

अल्ताफ बुखारी ने जताया आभार

जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी ने इस फैसले के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का शुक्रिया किया है। उन्होंने कहा, मीरवाइज उमर फारूक को ऐतिहासिक जामिया मस्जिद में शुक्रवार की नमाज का नेतृत्व करने की अनुमति देने के फैसले के लिए मैं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को धन्यवाद देना चाहता हूं। उम्मीद है कि मीरवाइज एक बेहतर और शांतिपूर्ण कल के लिए समाज को सकारात्मक तरीके से आकार देने में अपनी भूमिका निभाएंगे। वहीं मीरवाइज उमर ने बार-बार आरोप लगाया है कि 2019 में अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद पुलिस ने उन्हें नजरबंद किया है। हालांकि, उनके बयान का खंडन करते हुए, जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पिछले महीने श्रीनगर में मीडिया से कहा था कि उमर फारूक हिरासत में नहीं थे। इससे पहले अगस्त में केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और पूर्ववर्ती राज्य जम्मू कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित करने के अपने फैसले की चौथी वर्षगांठ मनाई थी।

मीरवाइज सामाजिक व धार्मिक जिम्मेदारियों को फिर से शुरू करेंगे : उमर अब्दुल्ला

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती और नेकां उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला, अपनी पार्टी प्रमुख अल्ताफ बुखारी सहित अन्य घाटी के राजनीतिक नेताओं ने मौलवी मीरवाइज उमर फारूक के शुक्रवार की नमाज पढ़ाए जाने के फैसले का स्वागत किया है। कड़ी सुरक्षा के बीच मीरवाइज उमर श्रीनगर की ऐतिहासिक जामा मस्जिद पहुंचे। इस दौरान लोगों ने भरपूर जोश के साथ उनका स्वागत किया। इसे लेकर उमर अब्दुल्ला ने कहा, मैं मीरवाइज उमर फारूक को नजरबंदी से रिहा करने के लिए जम्मू-कश्मीर में प्रशासन द्वारा उठाए गए कदम का स्वागत करता हूं। मुझे उम्मीद है कि वे उन्हें स्वतंत्र रूप से घूमने, लोगों के साथ बातचीत करने और अपनी सामाजिक व धार्मिक जिम्मेदारियों को फिर से शुरू करने की अनुमति देंगे।

कश्मीरी पंडितों की वापसी मानवीय मुद्दा : मीरवाइज

हुर्रियत कांफ्रेंस के अध्यक्ष ने कश्मीर मुद्दे पर अपने अलगाववादी समूह के रुख को दोहराते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के मुद्दे को बातचीत और शांतिपूर्ण तरीकों से हल किया जाना चाहिए। कश्मीर के लोग समुदायों और राष्ट्रों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास करते हैं। हमने हमेशा कश्मीरी पंडितों की वापसी की वकालत की है। यहां तक कि इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने से इन्कार किया है, क्योंकि यह एक मानवीय मुद्दा है। मुद्दों को सख्ती से निपटना बेहद खतरनाक है। इसने मानवाधिकारों के हनन को न्योता दिया है। हमारे कई नेता, हमारे लोग, महिलाएं और पुरुष, सालों से जेलों में हैं। कश्मीर के लोग समुदायों और राष्ट्रों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास करते हैं।

रिहाई पर भाजपा कर रही राजनीति : महबूबा

महबूबा मुफ्ती ने एक्स (ट्विटर) पर लिखा, आखिरकार मीरवाइज उमर फारूक स्वतंत्र व्यक्ति की तरह घूम सकेंगे। जबकि, उपराज्यपाल प्रशासन द्वारा वर्षों से उनकी हिरासत को लेकर इनकार किया जाता रहा है। एक धार्मिक प्रमुख के रूप में पूरे जम्मू-कश्मीर में मुसलमानों द्वारा उनका बहुत सम्मान किया जाता है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनकी रिहाई का श्रेय लेने के लिए भाजपा के विभिन्न राजनीतिक संगठनों के बीच खींचतान शुरू हो चुकी है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

फिल्मों में न्याय तुरंत दिलाने की कहानियां खतरनाक

दरअसल, बॉम्बे हाईकोर्ट के जज गौतम पटेल ने फिल्मों में दिखाई जाने वाली पुलिस की हीरो कॉप वाली छवि की आलोचना की और कहा कि ये फिल्में खतरनाक संदेश देती हैं। उन्होंने कहा कि ये फिल्में न्यायिक प्रक्रिया का पालन किए बिना तुरंत न्याय देने की प्रवृति को बढ़ावा देती हैं। इंडियन पुलिस फाउंडेशन द्वारा आयोजित वार्षिक दिवस और पुलिस सुधार दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में जस्टिस गौतम पटेल ने ये बातें कही।

हिंदी फिल्मों में पुलिस की छवि सिंघम के रूप में पेश करने पर बांबे हाईकोर्ट के जज ने तीखी आलोचना की है। उन्होंने फिल्मों में दिखाए जाने न्याय प्रक्रिया पर भी निशाना साधा है। साथ जजों के किरदार को भद्दा दिखाने पर भी आपत्ति की है। दरअसल, बॉम्बे हाईकोर्ट के जज गौतम पटेल ने फिल्मों में दिखाई जाने वाली पुलिस की हीरो कॉप वाली छवि की आलोचना की और कहा कि ये फिल्में खतरनाक संदेश देती हैं। उन्होंने कहा कि ये फिल्में न्यायिक प्रक्रिया का पालन किए बिना तुरंत न्याय देने की प्रवृति को बढ़ावा देती हैं। इंडियन पुलिस फाउंडेशन द्वारा आयोजित वार्षिक दिवस और पुलिस सुधार दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में जस्टिस गौतम पटेल ने ये बातें कही। जस्टिस गौतम पटेल ने कहा कि फिल्मों में पुलिस जजों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दिखाई जाती है। वहीं जजों को डरपोक, मोटे चश्मे पहने और अक्सर बहुत खराब कपड़े पहने दिखाया जाता है। फिल्मों में पुलिस, अदालतों पर दोषियों को छोड़ देने का आरोप लगाती है और फिल्म का हीरो पुलिसकर्मी अकेले ही न्याय करता है।

जस्टिस पटेल ने कहा किअगर न्याय प्रक्रि या को इस शॉर्टकट तरीके पर छोड़ दिया गया तो इससे हम कानून के शासन को नष्ट कर देंगे। जस्टिस पटेल ने कहा कि जब लोग सोचते हैं कि अदालतें अपना काम नहीं कर रही हैं तो वह पुलिस की कार्रवाई का उत्सव मनाते हैं। यही वजह है कि जब दुष्कर्म के आरोपियों को एनकाउंटर में मारा जाता है तो लोग सोचते हैं कि न्याय हो गया और लोग इसका उत्सव मनाते हैं। जस्टिस पटेल ने कहा कि खासकर सिंघम फिल्म के अंत में दिखाया गया कि पूरी पुलिस फोर्स राजनेता बने प्रकाश राज पर टूट पड़ती है... इसमें दिखाया गया कि उसके बाद न्याय हो गया, लेकिन मैं पूछता हूं कि क्या ऐसा हुआ। जस्टिस पटेल ने कहा कि हमें सोचना चाहिए कि यह कितना खतरनाक है। जस्टिस पटेल ने कहा कि इतनी व्याकुलता क्यों है? न्याय की पूरी प्रक्रि या होती है जिससे तय होता है कि कौन दोषी है और कौन निर्दोष। यह प्रक्रि या धीमी है क्योंकि इसमें पवित्र सिद्धांतों का पालन किया जाता है। हालांकि ऐसा नहीं है अभी कि फिल्में हर ऐसी बन रही हैं। 70 के दशक में जब अमिताभ बच्चन की फिल्म जंजीर आई थी उसमें पुलिस की छवि को सिंघम स्टाइन में थी तब से अब तक लोग भी ऐसी ही छवि पसंद करने लगे हैं। हालांकि जज साहब की प्रतिक्रिया जायज है कानूनी प्रक्रिया से गुजरे बिना ही न्याय देना समाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न रक देगी। हालांकि एसी चीजों को बढ़ावा देने में केवल फिल्मों का योगदान नही इसे कुछ न कुछ योगदान समाज व नीति बनाने वाले लागों का भी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बिगड़ेगी बात तो जाएगी फिर दूर तलक

पुष्परंजन

बुनियादी गलती हुई थी जी-20 बैठक के दौरान। पता नहीं किसने समझा दिया कि पीएम मोदी अपने कनाडाई समकक्ष जस्टिन ट्रूडो से वन टू वन न मिलें। इन दोनों की मुलाकातें दीवान-ए-खास में नहीं, दीवान-ए-आम में हुई। साइड लाइन बैठक में जस्टिन ट्रूडो उपेक्षित-सा महसूस कर रहे थे। वापसी भी अजीब-सी। विमान में खराबी, उसे ठीक कराया, और बेगाने से लौटकर ओटावा आ गये। अगले दिन संसद में जो बयान ट्रूडो ने दिया, उससे बात बिगड़नी ही थी। तब से 'तू सेर, तो मैं सवा सेर' चल रहा है। पिस रहे हैं दोनों तरफ के आम लोग, बिजनेस कम्युनिटी जिनका खालिस्तान से कोई लेना-देना नहीं उनकी हालत पूछिए। वीजा बंद-व्यापार ठप। जिन्हें चरमपंथ की दुकान चलानी है, उनके यहां मौजां-ही मौजां।

कनाडा के संबंध चीन से भी 2019 में बिगड़े थे। तब हुआवेई के कार्यकारी मेंग वानझोउ को कनाडाई अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था। जवाब में चीन ने दो प्रमुख कनाडाई कंपनियों से कैनोला शिपमेंट को अवरुद्ध कर दिया। वह प्रतिबंध लगभग तीन साल तक चला। बात इतनी बिगड़ी कि मई, 2023 में जस्टिन ट्रूडो सरकार ने चीनी राजनयिक झाओ वेई को यह कहते हुए निष्कासित कर दिया कि वह हांगकांग में कंजर्वेटिव सांसद माइकल चोंग और उनके रिश्तेदारों को डराने की साजिश में शामिल थे। चीन चुप क्यों रहता? बदले की कार्रवाई में चीनी विदेश मंत्रालय ने शंघाई स्थित कनाडा की वाणिज्य दूत जेनिफर लिन लालोंडे को 13 मई, 2023 से पहले देश छोड़ देने के लिए कह दिया। चीन ने इस कनाडाई डिप्लोमेट पर उईगुर अलगाववादियों को उकसाने का आरोप लगाया था। जस्टिन ट्रूडो के साथ मुश्किल यह है कि सरकार को सुचारु रूप से चलाने की बजाय देश का ध्यान भटकाने के लिए कभी चीन से, तो कभी भारत से कूटनीतिक संबंध बिगाड़ने में लगे हुए हैं। अक्टूबर 2025 तक सत्ता में बने रहने के लिए जस्टिन ट्रूडो एक कठपुतली प्रधानमंत्री की भूमिका में हैं। सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी को 338 सदस्यीय हाउस ऑफ कॉमंस में 170 सभासदों का समर्थन चाहिए।

2019 के आम चुनाव परिणाम के समय न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के लीडर जगमीत सिंह किंग मेकर की भूमिका में अवतरित हुए थे। उनके कहने पर ही 18 सिख सांसदों ने जस्टिन ट्रूडो को प्रधानमंत्री स्वीकार किया था। 22 मार्च, 2022 को दूसरे आम चुनाव में भी यही सीन था। एक बार फिर सिख

सांसदों ने ट्रूडो की कठपुतली सरकार को समर्थन दे दिया। चार साल की यह मियाद 20 अक्टूबर, 2025 को पूरी होगी। ट्रूडो ने हालिया बयान में कहा भी था कि हम 'सप्लाई एंड कान्फिडेंस' की नीतियों के साथ एनडीपी से अपने संबंध निर्वाह कर रहे हैं। कनाडा की घरेलू राजनीति में स्थिरता के लिए सिख सांसदों का समर्थन ही एकमात्र विकल्प है। ठीक से देखा जाए तो भारतीय लोकसभा से कहीं अधिक सिख सांसद कनाडा में हैं। लोकसभा में 13 तो कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स में 18 सिख सांसद हैं। कनाडा की कुल आबादी का डेढ़ प्रतिशत सिख हैं, तो वहां सरकार उनकी न सुने, ऐसा संभव नहीं। भारत में सिखों की संख्या 1.7 प्रतिशत है। मानकर चलिये कि कुछ वर्षों में कनाडा में प्रवास करने वाले सिख भारत जितने हो जाएंगे। 18 सितंबर, 2022 को ब्रैम्टन में खालिस्तान पर रेफरंडम का आयोजन किया गया। उस मतसंग्रह में एक लाख से अधिक सिखों की हिस्सेदारी ने कई सवाल खड़े किये हैं। ट्रूडो कहते हैं, यह उनका लोकतांत्रिक अधिकार है। वो आगे भी ऐसा करेंगे, तो हम रोकेंगे नहीं। कनाडा में 13 लाख 75 हजार भारतवंशियों की आबादी में लगभग चार लाख हिंदू और पांच लाख सिख हैं, बाड़ी दूसरे मतों को मानने वाले लोग हैं। मगर, इन भारतवंशियों की वहां की राजनीति में सिखों जैसी भागीदारी नहीं है। 18 सितंबर, 2022 को खालिस्तान के वास्ते तथाकथित मतसंग्रह में एक-चौथाई से भी कम सिखों ने हिस्सा लिया। इस चर्चा पर चुप्पी लगा ली जाती है कि चार लाख प्रवासी सिखों ने इस कार्यक्रम से दूरी बनाकर रखी थी। जिन एक लाख सिखों ने ब्रैम्टन के गोर मेडो कम्युनिटी सेंटर पर आयोजित मतसंग्रह में हिस्सा लिया, उनमें पाकिस्तान वाले सिख कितने हैं? यह भी खोज का विषय है।

मतसंग्रह के पांच दिन बाद 23 सितंबर को भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने एक एडवायजरी जारी करते हुए कनाडा में रह रहे अनिवासी भारतीयों व छात्रों से कहा था कि वो हेट क्राइम से सतर्क रहें। उन्हें कोई इसका शिकार बनाता है, तो वो 'मदद पोर्टल' पर जाएं, और अपनी शिकायत रजिस्टर्ड करें। खालिस्तान पर मतसंग्रह से पहले टोरंटो स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर की दीवारों को भारत विरोधी ग्रैफिटी से कुछ उपद्रवी तत्वों ने रंग दिया था। वहां खालिस्तान समर्थक स्लोगन भी उकेर दिये थे।

1857 की जनक्रांति के अग्रणी महानायक

अहीरवाल जनपद में रेवाड़ी रियासत के राजा राव तुलाराम ने साल 1857 में देश की आजादी का झंडा बुलंद किया। उन्होंने इस क्षेत्र से अंग्रेजों को कड़ी टक्कर दी थी। सत्रह मई 1857 को राजा राव तुलाराम ने स्वतंत्रता आंदोलन की घोषणा कर दी। इसके उपरांत उनके सैनिकों ने रेवाड़ी तहसील व थाने पर कब्जा कर लिया तथा तहसील के खजाने को जब्त कर लिया। राव तुलाराम ने स्वयं को रेवाड़ी, भोंडा व शाहजहांपुर परगनों का स्वतंत्र शासक घोषित कर दिया।

आरती राव

इसमें दो राय नहीं कि मां भारती को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति दिलाने के लिए शुरू हुई 1857 की क्रांति चाहे विभिन्न कारणों से विफल हो गई थी, लेकिन इस क्रान्ति ने भारतीयों के मन-मस्तिष्क में आजादी पाने का ऐसा जज्बा पैदा किया था, जिससे भयभीत होकर कालांतर अंग्रेजों को देश छोड़ने को मजबूर होना पड़ा। स्वतंत्रता संग्राम की इस पहली जंग में जहां तांत्या टोपे, महारानी लक्ष्मीबाई, मंगल पांडे, नाना साहब पेशवा जैसे महान जांबाज थे तो वहीं रेवाड़ी रियासत के राजा राव तुलाराम भी वीरता व साहस के साथ डटे थे। नारनौल क्षेत्र के नसीबपुर के जंग-ए-मैदान में ही राजा राव तुलाराम के नेतृत्व में 1857 की क्रांति के दौरान यहां के पांच हजार अनाम सैनिकों ने राष्ट्र की फिरंगियों से मुक्ति के लिये अपनी कुर्बानी दी थी।

इस बात का तार्किक आधार है कि 1857 की क्रांति सही मायनों में भारतवर्ष का प्रथम राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन था। दुर्भाग्यवश एकीकृत ढांचे और समन्वय के अभाव के कारण यह क्रांति सफल नहीं हो सकी। लेकिन इस स्वतंत्रता संग्राम के दूरगामी प्रभाव सामने आए हैं। अहीरवाल जनपद में रेवाड़ी रियासत के राजा राव तुलाराम ने साल 1857 में देश की आजादी का झंडा बुलंद किया। उन्होंने इस क्षेत्र से अंग्रेजों को कड़ी टक्कर दी थी। सत्रह मई 1857 को राजा राव तुलाराम ने स्वतंत्रता आंदोलन की घोषणा कर दी। इसके उपरांत उनके सैनिकों ने रेवाड़ी तहसील व थाने पर कब्जा कर लिया तथा तहसील के खजाने को जब्त कर लिया। राव तुलाराम ने स्वयं को रेवाड़ी, भोंडा व शाहजहांपुर परगनों का स्वतंत्र शासक घोषित कर दिया। इस दौरान राव तुलाराम ने क्रांतिकारियों की सहायता के लिए रसद सामग्री और नकद राशि बादशाह बहादुर शाह जफर को दिल्ली भिजवाई। राव तुलाराम के नेतृत्व व वीरता से प्रसन्न होकर बादशाह ने शाही फरमान जारी कर राव तुलाराम को रेवाड़ी, भोंडा व शाहजहांपुर के शासक के रूप में मान्यता प्रदान कर दी।

परंतु जल्दी ही दिल्ली का पतन हो गया और बादशाह बहादुर शाह जफर को गिरफ्तार कर लिया गया। राव तुलाराम इसके बावजूद पीछे नहीं हटे। बल्कि उन्होंने अंग्रेजों से सीधी टक्कर लेने के लिए सेना को फिर से संगठित किया। इतना ही नहीं, अपने आसपास के राजाओं और नवाबों से सहयोग मांगा। राव तुलाराम ने अपनी सेना व कुछ छोटी तोपों के साथ नारनौल में मजबूत किलेबंदी कर ली। इसी दौरान राजपूताने से भी क्रांतिकारी सैनिकों का एक दल राव तुलाराम से आ मिला। इससे राव तुलाराम की शक्ति और बढ़ गई। उधर क्रांतिकारियों के दमन के लिए करनल जेरार्ड के नेतृत्व में अंग्रेजी सेना ने नारनौल की ओर कूच किया।

सोलह नवंबर 1857 को नारनौल के नसीबपुर मैदान में अंग्रेजी सेना पहुंच गई परंतु राव तुलाराम की मजबूत मोर्चाबंदी की सूचना पाकर कर्नल जेरार्ड हमले की हिम्मत नहीं कर सका। लेकिन क्रांतिकारी जोश में थे और उन्होंने स्वयं आगे बढ़कर अंग्रेजी सेना पर हमला करने का निर्णय लिया। युद्ध में कड़ी टक्कर में कर्नल जेरार्ड मारा गया और अंग्रेजी सेना को भारी क्षति पहुंची। अंग्रेजी सेना व क्रांतिकारियों के बीच हुए इस महासंग्राम में अंग्रेजी सेना की जीत हुई परंतु वह राव तुलाराम को गिरफ्तार नहीं कर सके। अंग्रेजों के साथ हुए इस युद्ध में एक ही दिन में 5 हजार सैनिक शहीद हुए थे। इस भीषण युद्ध की पराजय के बाद भी राव तुलाराम ने हार नहीं मानी और किसी ब्रिटिश विरोधी देश से सहायता प्राप्त कर भारतवर्ष की आजादी पर विचार किया। एक छोटी सी रियासत के राजा का इतना बड़ा और अद्भुत निर्णय उनके विराट व्यक्तित्व को ही परिलक्षित करता है।

राव तुलाराम ने राजपूताने यानी जयपुर, जोधपुर व बीकानेर के राजाओं से रूस के शासक जार के नाम सहायता के लिए पत्र लिखवाया। साल 1859 के अंतिम दिनों में राव तुलाराम मुंबई बंदरगाह से भेस बदलकर अपने साथियों के साथ ईरान की ओर रवाना हुए। ईरान में रूसी राजदूत से संपर्क कर जार एलेक्जेंडर द्वितीय से मिलने के लिए रूस पहुंच गए, लेकिन जार ने कोई ठोस जवाब नहीं दिया। वहां से वापस ईरान होते हुए राव अफगानिस्तान आ गए तथा अन्य ब्रिटिश विरोधी देश से संपर्क करने का प्रयास करते रहे। साल 1862 में कंधार में उन्होंने एक सैनिक टुकड़ी का गठन किया। राव तुलाराम ने अंग्रेजों से आजादी के लिए अपने प्रयासों के तहत विभिन्न देशों से संपर्क जारी रखा। इसी दौरान दुर्भाग्यवश राव तुलाराम का 23 सितंबर 1863 को अपने वतन से दूर काबुल में मात्र 38 वर्ष की अल्पायु में निधन हो गया। लेकिन देश की आजादी के लिए राव तुलाराम ने जो लौ जलाई थी वह आगे बढ़कर एक ज्वाला के रूप में देश में फैल चुकी थी। स्वतंत्रता संग्राम के महानायक शहीद राजा राव तुलाराम जी के शहीदी दिवस पर उनको शत-शत नमन!

लोग डेस्क जॉब करते हों या घर का रोजाना का कामकाज, उनको आए दिन पीठ और कमर दर्द की समस्या हो जाती है।

भुजंगासन

पीठ व कमर दर्द से राहत के लिए भुजंगासन का नियमित अभ्यास करें। इसके लिए पेट के बल सीधे लेटकर हथेलियों को कंधों के नीचे रखें। फिर उंगलियों को फैलाते हुए छाती को ऊपर खींचें। इस अवस्था में कुछ देर रहें और सांस ले। इस योग से शरीर को पूर्ण आराम देने के साथ, ऊतकों और कोशिकाओं को ठीक रखने में भी मदद मिलती है। हड्डियों के घनत्व को ठीक रखने में भी इसे लाभदायक माना जाता है। जिन लोगों को अक्सर तनाव या चिंता की समस्या रहती है उनके लिए भुजंगासन योग का नियमित अभ्यास फायदेमंद हो सकता है। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी तमाम समस्याओं को दूर करने में कोबरा पोज योग आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

पीठ का दर्द

करें ये योगासन

बिगड़ी लाइफस्टाइल के कारण लोगों को कई तरह की शारीरिक समस्याएं हो जाती हैं। इसमें शरीर दर्द आम बात है। गलत पोस्चर और जीवन शैली से लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। कोरोना काल में वर्क फ्रॉम होम कल्चर होने के बाद से गर्दन और पीठ दर्द की समस्या बढ़ रही है। लोग डेस्क जॉब करते हों या घर का रोजाना का कामकाज करते हों, उनको आए दिन पीठ और कमर दर्द की समस्या हो जाती है। अगर समय रहते गर्दन व कमर दर्द की समस्या को ठीक न किया जाए तो तकलीफ बढ़ सकती है। पीठ व कमर दर्द के कारण उठने बैठने की तकलीफ होने लगती है। योगासन का अभ्यास शारीरिक समस्याओं से निजात दिला सकता है। ऐसे में पीठ और कमर दर्द से राहत पाने के लिए कुछ योगासनों का नियमित अभ्यास कर सकते हैं।

शोल्डर ओपनर

लगातार कई घंटों तक कंप्यूटर पर काम करते रहने से कम उम्र में ही की तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। सर्वाइकल का दर्द, कंधों और गर्दन में ऐंठन या स्टीफनेस, हाथ पांव में दर्द आदि। इन समस्याओं के कारण रोजमर्रा के काम करना भी मुश्किल हो जाता है। इनसे निजात पाने के लिए शोल्डर ओपनर का अभ्यास करें। इस आसन में सीधे खड़े होकर हथेलियों को पीछे की ओर ले जाते हुए आपस में मिला लें। अब कंधों को पीछे की ओर खींचे। इस प्रक्रिया को दोहराएं।

सेतु बंधासन

जो लोग डेस्क वर्क करते हैं, उन्हें सेतु बंधासन का योगाभ्यास करना चाहिए। इस आसन को करने के लिए पीठ के बल लेट कर दोनों पैरों के घुटनों को मोड़ें और पैर को फर्श पर स्पर्श करते हुए हाथों की मदद से शरीर को ऊपर उठाएं। अब पीठ व जांघ को फर्श से आसमान में उठाते हुए गहरी सांस लें व बाहर छोड़े। इस स्थिति में कुछ देर रहने के बाद पहली वाली स्थिति में आ जाएं। सेतुबंधासन को नियमित रूप से करने से पीठ री मांसपेशियां मजबूत और लचीली होती हैं। इसके साथ-साथ यह रीढ़ की हड्डी और गर्दन में खिंचाव पैदा करके उन्हें टोन करने का काम करता है। यह स्ट्रेस को दूर करने में भी मदद करता है। रोजाना इसे करने से आपका मन शांत रहेगा और शरीर को एनर्जी मिलेगी। इसके अलावा यह आपकी पाचन क्रिया को स्ट्रांग करने में भी मदद करता है।

ताड़ासन

ताड़ासन का अभ्यास पीठ दर्द से निजात दिलाता है। इस आसन को करने के लिए दोनों पैरों के बीच दूरी बनाकर एड़ियों और पंजों पर खड़े हो जाएं। फिर हाथों को कमर की सीध से ऊपर ले जाएं और हथेलियों व उंगलियों को मिला लें। गर्दन सीधी रखें, साथ ही एड़ियों को ऊपर उठाते हुए शरीर का भार पंजो पर डालें। इस अवस्था में संतुलन बनाते हुए कुछ देर रहें, फिर पुरानी अवस्था में आ जाएं।

हंसना मना है

गांव का वह शायर प्रेमी बेचारा बड़ा ही शर्मीला था जब उसका प्रेम शहर की एक चंचल युवती से हो गया, तो सब को हैरानी थी कि वह कैसे उसके सामने विवाह का प्रस्ताव रखेगा। बाद में मालूम पड़ा, उसने युवती से इस रूप में कहा - नूरजहां, मेरे घर के लोगों के साथ दफनाया जाना तुम पसन्द करोगी क्या?

ब्वॉयफ्रेंड (फोन पर)- हाय स्वीटहार्ट क्या कर रही हो? गर्लफ्रेंड- मेरी तबीयत खराब है जानू सोने जा रही हूं। ब्वॉयफ्रेंड- मैं सिनेमा हॉल में तेरे पीछे बैठा हूं।

संता अपनी गर्लफ्रेंड के साथ होटल में खाना खाने गया। खाते-खाते एकाएक संता बोला-सुनो मुझे तुमसे कुछ कहना है, गर्लफ्रेंड-खाना खाते समय बातें नहीं करनी चाहिए पहले खा लो, फिर कहना, खाना खत्म होने पर गर्लफ्रेंड ने पूछा-अब बताओ, क्या कहना चाह रहे थे? संता-तुम्हारी दाल में मक्खी थी।

संता ने अपनी गर्लफ्रेंड का नाम ब्लेड से अपने हाथ पर लिखा। थोड़ी देर बाद वह जोर-जोर से रोने लगा। बंता-क्यों रो रहा है? संता-यार spelling गलत हो गई !

कहानी | सफलता ठान लेने से मिलती है

दशरथ मांझी जिन्हें माउंटेन मैन के नाम से भी जाना जाता है, जिन्होंने यह साबित किया है, कि कोई भी काम असंभव नहीं है। मांझी बिहार में गया के करीब गहलौर गांव के एक गरीब मजदूर थे। दशरथ काफी कम उम्र में ही धनबाद की कोयले की खान में काम करने लगे, बड़े होने पर फाल्गुनी देवी नामक लड़की से शादी कर ली। अपने पति के लिए खाना ले जाते समय उनकी पत्नी फाल्गुनी पहाड़ के दर्रे में गिर गयी। पहाड़ के दूसरी और अस्पताल था, जो करीब 55 किलोमीटर की दूरी पर था। दूरी होने के कारण उचित समय पर उनको उपचार नहीं मिल पाया, जिसके कारण उनका निधन हो गया। यह बात उनके दिल को लग गयी, इसके बाद मांझी ने संकल्प लिया कि वह अकेले अपने दम पर पहाड़ के बीचों-बीच से रास्ता निकालेंगे और केवल एक हथौड़ा और छेनी लेकर खुद अकेले ही 360 फुट लंबी 30 फुट चौड़ी और 25 फुट ऊंचे पहाड़ को काटकर एक सड़क बना डाली। 22 वर्षों के अथक परिश्रम के बाद, दशरथ की बनायी सड़क ने अतरी और वजीरगंज ब्लाक की दूरी को 55 किलोमीटर से 15 किलोमीटर कर दिया। लोगों ने इन्हें पागल कहा लेकिन इस बात ने इनके निश्चय को और भी मजबूत किया। उन्होंने अपने काम को 22 वर्षों (1960-1982) में पूरा किया। कुछ ने ताने कसे लेकिन उनमें से कुछ ने उन्हें खाना दिया और औज़ार खरीदने में उनकी सहायता भी की। एक इंसान जिसके पास नहीं पैसा था, ना हीं ताकत थी, उसने एक पहाड़ खोद दिया, उनकी जिंदगी से हमें एक सीख मिलती है, की हम किसी भी कठिनाई को आसानी से पार कर सकते है, अगर आप में उस काम को करने की ज़िद है। कैंसर से पीड़ित मांझी का 73 साल की उम्र में, 17 अगस्त 2007 को निधन हो गया। दशरथ मांझी, जिसने अपने जज्बे और जुनून से सारा जोर अपने लक्ष्य को पाने में लगा दिया और जब तक चैन से नहीं बैठ जब तक सफल नही हो गया।

7 अंतर खोजें

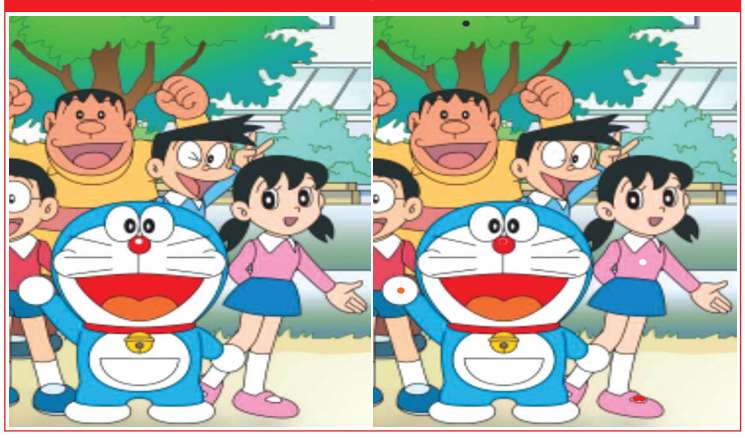

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। मनोरंजक यात्रा हो सकती है। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

तुला पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा।

वृषभ विवेक का प्रयोग करें। आय बनी रहेगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है।

वृश्चिक आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है।

मिथुन जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी। बाहर जाने का मन बनेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे। घर-परिवार की चिंता रहेगी।

धनु मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी। घर-परिवार के साथ आराम तथा मनोरंजन के साथ समय व्यतीत होगा।

कर्क भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

मकर सेहत को प्राथमिकता दें। लेन-देन में जल्दबाजी से हानि होगी। अनावश्यक जोखिम न लें। किसी भी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। फालतू खर्च होगा।

सिंह यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। मनपसंद भोजन की प्राप्ति संभव है। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

कुम्भ व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। भ्रम की स्थिति बन सकती है। बुद्धि का प्रयोग करें। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या धैर्य रखें, समय सुधरेगा। बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी।

मीन व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे। कोई नया उपक्रम प्रारंभ करने का मन बनेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

ओपनिंग डे पर बुरी तरह पिटी शिल्पा शेट्टी की फिल्म सुखी

शिल्पा शेट्टी की फिल्म सुखी शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म की टक्कर विक्की कौशल की फिल्म द ग्रेट इंडियन फैमिली से हुई है। दोनों ही फिल्मों को शाहरुख खान की जवान का सामना करना पड़ा है जिसकी वजह से बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल हुआ है। सुखी की ओपनिंग डे पर बहुत बुरी हालत है। फिल्म का पहले दिन का कलेक्शन सामने आ गया है। ये फिल्म 1 करोड़ का बिजनेस भी नहीं कर पाई है।

शिल्पा शेट्टी की फिल्म के पहले दिन के नंबर बहुत ही ज्यादा कम है। बॉक्स ऑफिस पर पहले ही दिन ये फिल्म औंधे मुंह गिर गई है। फिल्म के पहले दिन के कलेक्शन के बारे में आपको बताते हैं। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक शिल्पा शेट्टी की फिल्म ने पहले दिन सिर्फ 30 लाख रुपये का बिजनेस किया है। इसकी

शुरुआत बहुत ही कम से हुई है। वीकेंड पर कमाई थोड़ी बढ़ सकती है। अब ये करोड़ में एंट्री कर पाती है ये थोड़ा मुश्किल हो सकता है। सुखी का द ग्रेट इंडियन फैमिली और जवान दोनों की वजह से ही इतना बुरा हाल हुआ है। विक्की कौशल की फिल्म ने कुछ खास बिजनेस नहीं किया है लेकिन फिर भी सुखी की तुलना में काफी ज्यादा किया है। द ग्रेट इंडियन फैमिली ने पहले दिन 1.40 करोड़ का कलेक्शन किया है।

वहीं दूसरी तरफ शाहरुख खान की जवान दोनों ही फिल्मों को तगड़ा कॉम्प्टीशन दे रही है। जवान को रिलीज हुए 2 हफ्ते से ज्यादा का समय हो गया है लेकिन फिर भी कोई इस फिल्म को बीट नहीं कर पा रही है।

सुखी की बात करें को इसे सोनाली जोशी ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में शिल्पा के साथ कुशा कपिला, अमित साध, दिलनाज ईरानी, किरण कुमार, विनोद नागपाल अहम किरदार निभाते नजर आए हैं। ये फिल्म एक 38 साल की हाउसवाइफ की कहानी है।

बॉलीवुड | मन की बात

डॉन-3 में मैं आपसी सहमति से शाहरुख से अलग हुआ : फरहान

अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान के बाद एक्टर रणवीर सिंह हिट फ्रेंचाइजी की तीसरी किश्त में डॉन की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। डायरेक्टर फरहान अख्तर ने हाल ही में एक स्पेशल अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया था। डॉन 3 में शाहरुख खान के होने की खबरें थीं, लेकिन वो इस प्रोजेक्ट से बाहर हो गए। अब फरहान ने कहा, हम आपसी सहमति से अलग हुए। कई फैंस ने डान-3 की नई कास्टिंग पर अपनी निराशा व्यक्त की। यूएस बेस्ट पब्लिकेशन वैरायटी के साथ इंटरव्यू में डायरेक्टर Farhan Akhtar ने शेयर किया कि वो और शाहरुख आपसी सहमति से अलग हो गए। फरहान ने आगे कहा, मैं किसी की जगह लेने की स्थिति में नहीं हूं। ये ऐसी चीजें हैं जिन पर हमने सालों से चर्चा की है, मैं कहानी को एक निश्चित दिशा में ले जाना चाहता था, किसी तरह हम आम सहमति नहीं बना सके। हम आपसी सहमति से यह जानते हुए अलग हुए कि ये बेहतरी के लिए ही है। तो यह वही है। फरहान ने ये भी कहा कि वो फिल्म की तीसरी किश्त में Ranveer Singh के साथ काम करने के लिए एक्साइटेड हैं। उन्होंने कहा, मैं रणवीर के बोर्ड में आने से वास्तव में उत्साहित हूं। वह बहुत उत्साहित है और किरदार निभाने के लिए तैयार है। यह एक बड़ी फिल्म है। हम उसे इसमें शामिल करने के लिए वास्तव में उत्साहित हैं। ऐसा कहा जा सकता है कि उनकी एनर्जी हमें भी ऊर्जा दे रही है। पहली डॉन फिल्म साल 1978 में रिलीज हुई थी। इसमें अमिताभ बच्चन, जीनत अमान और प्राण थे। इसके बाद फरहान अख्तर ने फिल्म का रीमेक बनाया, जिसमें शाहरुख खान थे। डॉन 2 में भी शाहरुख थे और फरहान डायरेक्टर। अब इस फ्रेंचाइज की तीसरी मूवी आने वाली है।

आकांक्षा पुरी के साथ मेरा रिश्ता काफी पहले खत्म हो गया था: पारस छाबड़ा

पारस छाबड़ा और आकांक्षा पुरी का रिश्ता बहुत पहले ही खत्म हो गया था, लेकिन दोनों ने हाल ही में तब सुर्खियां बटोरीं जब आकांक्षा बिग बॉस ओटीटी सीज़न 2 का हिस्सा थीं। इससे पहले पारस भी रियलिटी शो बिग बॉस 13 का भी हिस्सा रह चुके है। कई बार आकांक्षा ने बिग बॉस ओटीटी 2 शो में अपने साथ के लोगों से अपने पिछले रिश्ते के बारे में बात की। एक कंटेस्टेंट से बात करते हुए उन्होंने खुलासा किया कि कैसे पारस के साथ उनका रिश्ता कभी खत्म नहीं हुआ। अब पारस ने आखिरकार आकांक्षा के बयान पर रिएक्ट किया है। एक इंटरव्यू में पारस छाबड़ा ने बताया कि आकांक्षा पुरी के साथ उनका रिश्ता तीन से चार साल पहले खत्म हो गया था और वह कभी भी अपनी एक्स के बारे में बात नहीं करते हैं, खासकर आकांक्षा के बारे में, क्योंकि वह मानते हैं कि उनकी तरफ से सब कुछ खत्म हो गया है। पारस छाबड़ा ने बताया कि जब वे आकांक्षा के साथ रिश्ते में थे तो उन्होंने कभी भी अपना पैसा उन पर खर्च नहीं किया।

पारस छाबड़ा ने आगे कहा, मेरे हिसाब से वह काफी चालाकी कर रही है। यहां तक कि बिग बॉस ओटीटी पर भी, उसने शुरू में कहा था कि वह जैद हदीद के करीब नहीं जाना चाहती थी और बाद में उसने उसे ही किस कर लिया, वह मेरा और हमारे नाम का इस्तेमाल कर रही है।

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

चूहों की राजधानी बना ये शहर, इंसानी बच्चे जितना बड़ा हुआ इनका शरीर

दुनिया के कई शहरों में चूहों का आतंक देखने को मिलता है। लॉकडाउन के दौरान चूहों ने जमकर कई देशों में आतंक मचाया। बड़े शहरों में इन्हें अक्सर खाने की तलाश में इधर से उधर भटकते देखा जाता है। चूहों का दिखना चिंता का विषय नहीं है लेकिन बीते कुछ समय से इन चूहों का जिस तरह से आकार बढ़ा है, वो चिंता का विषय बनता जा रहा है। धीरे-धीरे चूहों का आकार इंसान के बच्चे जितना होता चला जा रहा है। शहरों के डस्टबिंस में, रेलवे ट्रैक्स के बगल में इन चूहों को रहने के लिए परफेक्ट जगह मिलती है। इन जगहों पर चूहे अच्छे से बड़े होते हैं। वजह है उन्हें आसानी से मिल जाने वाला खाना। लेजिन अब इनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है। साथ ही ये बड़े होते जा रहे हैं। जैसे-जैसे इनका आकार बढ़ रहा है, उसी के साथ उनके घरों में घुसकर अपने लिए खाना ढूंढने का साहस भी बढ़ता जा रहा है। हाल ही में इन चूहों की राजधानी कहलाने वाले न्यूयॉर्क में लोगों ने चार फीट के चूहों को देखा। वैसे तो ये चूहे दुनिया के लगभग हर देश में ही आपको मिल जायेंगे लेकिन बीते कुछ समय से इनकी राजधानी बना है न्यूयॉर्क शहर। जी हां, न्यूयॉर्क को चूहों की राजधानी कहा जाने लगा है। कुछ समय पहले एक रिपोर्ट में सामने आया था कि इस शहर में 30 मिलियन चूहे हैं। यानी शहर में रह रहे एक इंसान के बदले पांच चूहे रहते हैं। लेकिन अब नए आंकड़ों में इनकी संख्या कम हो गई है। नए आंकड़े के मुताबिक, अब इन चूहों की संख्या तीन मिलियन बताई गई है। लेकिन अब एक नयी समस्या सामने आ गई है। न्यूयॉर्क में दिखे कुछ चूहों के आकार ने लोगों को हैरान कर दिया। यहां हाल ही में ऐसे चूहे नजर आए, जिनका आकार चार फीट से ज्यादा था। मोटे-ताजे इन चूहों को देखकर कोई भी घबरा जाएगा। बताया जा रहा है कि ये सुपर रैट्स तेजी से ब्रीड कर रहे हैं। इन्हें आसानी से खाना मिल रहा है और पेट भरकर ये सिर्फ प्रजनन कर रहे हैं। इस वजह से इनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है। हाल ही में ऐसे एक चूहे को पकड़कर इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की गई, जहां से ये वायरल हो गई।

अजब-गजब | टोकोरोन जेल के कैदियों की लग्जरी लाइफ देखकर उड़ गए होश

इस जेल में लग्जरी लाइफ जीते थे कैदी

वेनेजुएला में सैनिकों ने 'टोकोरोन जेल' को एक बंदूकधारी गैंग के कंट्रोल से छुड़ा लिया है। उस गैंग का नाम 'ट्रेन डी अरागुआ' है, जिसके नियंत्रण में यह जेल सालों से थी। हजारों की संख्या में सैनिक इस जेल के अंदर गैंग के बदमाशों से भिड़ गए। घंटों के संघर्ष के बाद उन्होंने जेल को उनके चंगुल से छुड़ाया। जेल के अंदर कैदियों की लग्जरी लाइफ देख कर सैनिक दंग रह गए।

एक रिपोर्ट के अनुसार, जेल में कैदी अपने परिवारों के साथ रहते थे। वे दिन में पूल में तैरते थे या छतरियों के नीचे आराम करते थे। रात में वे जेल में डिस्को करते थे या कसीनो में जुआ खेलते थे। जेल में उनके लिए नाइक क्लब, कसीनो और स्विमिंग पूल की सुविधा था। यहां तक कि जेल में एक चिड़ियाघर भी था। हालांकि, यह जेल अत्यधिक हिंसा के लिए फेमस है।

लुइडिग ओचोआ को 2000 में स्ट्रीट गैंग शूटिंग के लिए 8 साल जेल की सचा सुनाई गई थी। उसने टोकोरोन और यारे दोनों जेलों में सजा काटी है। उसने याद किया कि कैसे जेल को चलाने वाला गैंग अपने दुश्मनों को मगरमच्छों को खिला देता था। एक टीम ने 'जेल के भीतर शहर' में घुसपैठियों को चेतावनी देने के लिए अपने सेल में हमलावर कुत्तों को रखा। ओचोआ ने द टेलीग्राफ को बताया, 'वहां गोलीबारी होती है, सब कुछ बंदूकों से तय होता है।

वे लोगों को डराने के लिए गोली नहीं चलाते, वे मारने के लिए गोली चलाते हैं। वेनेजुएला में कोई मौत की सजा नहीं है, लेकिन जेल में हर किसी को संभावित रूप से मौत का सामना करना पड़ सकता है।'

टोकोरोन जेल के अंदर बंदूकधारी इस गैंग के खिलाफ लड़ाई के लिए 11 हजार सैनिक भेजे गए थे। ट्रेन डी अरागुआ गैंग का सरगना हेक्टर ग्युरेरो फ्लोरेस था, जिसे 'वॉरियर बॉय' के नाम से जाना जाता है, जो हत्या और ड्रग ट्रैफिकिंग के लिए 17 साल की सजा काट रहा था। यह गैंग अपहरण, डकैती, ड्रग ट्रैफिकिंग, वेश्यावृत्ति, जबरन वसूली और अवैध सोने के खनन से जुड़ा हुआ है।

बृजभूषण के बाद अब एक और भाजपा सांसद ने टिकट को लेकर ठोंकी दावेदारी

» केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने राज्यपाल बनने की खबरों का किया खंडन

» बृजभूषण भी ठोक चुके हैं अपने टिकट के लिए दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव हर बीतते दिन के साथ नजदीक आता जा रहा है। ऐसे में राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी योजनाएं बनानी भी शुरू कर दी हैं। इस बीच राजनीतिक पार्टियों में नेताओं द्वारा टिकट मांगने की भी होड़ लग गई है। यही वजह है कि नेता अपनी-अपनी दावेदारी भी ठोकने लगे हैं। इस बीच सत्ताधारी दल भाजपा में टिकट को लेकर ज्यादा ही जद्दोजेहद तेज हो गई है। इस बीच कैसरगंज से भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के बाद अब भाजपा के एक और सांसद व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने भी टिकट को लेकर दावेदारी ठोकी है। आरके सिंह फिलहाल बिहार की आरा सीट से बीजेपी सांसद हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या आप इस बार आरा से चुनाव लड़ेंगे तो उन्होंने कहा कि बिलकुल लड़ेंगे, हमारे बारे में कोई दूसरा फैसला कैसे ले सकता है।

दरअसल, ये सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि आरके सिंह दिसंबर, 2013 में बीजेपी में शामिल हुए थे, जिसके बाद उन्होंने 2014 और 2019 में आरा से ही चुनाव लड़ा और सांसद बने। पीएम मोदी ने उन्हें पहली बार में ही मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया था। उन्हें साल 2017 में ऊर्जा मंत्रालय सौंपा गया था। उन्हें साल 2021 में प्रमोट कर कैबिनेट मंत्री बनाया गया।

बिहार में ऐसी चर्चा है कि आरके सिंह को राज्यपाल बनाकर भेजा जा सकता है और उनकी जगह किसी और को आरा से टिकट दिया जाएगा। इसको लेकर आरके सिंह ने बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है कि वह अपना फैसला खुद करेंगे और वह कहीं भी राज्यपाल बनकर नहीं जा रहे हैं।

खुद लूंगा अपने बारे में फैसला : सिंह

आरके सिंह ने अपनी दावेदारी को लेकर साफ कहा कि वह बिल्कुल चुनाव लड़ेंगे जी, हमारे बारे में कोई दूसरा निर्णय कैसे ले लेगा। वो निर्णय तो हम अपने बारे में खुद करेंगे ना। कोई अब हल्ला उड़ाए कि हम गवर्नर बनकर जा रहे हैं तो हम कहीं गवर्नर बनकर नहीं जा रहे हैं। हम आरा से ही चुनाव लड़ेंगे। बता दें कि भारत के गृह सचिव रह चुके

बृजभूषण सिंह बोले- कौन कटवा रहा मेरा टिकट

गौरतलब है कि इससे पहले जब भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह से पत्रकारों ने सवाल पूछा कि क्या आपका टिकट कट रहा है क्योंकि सोशल मीडिया पर इसको लेकर काफी चर्चा है, तो उन्होंने कहा कि मेरा टिकट कौन काटेगा? बृजभूषण ने कहा कि कौन कटवा रहा है मेरा टिकट। नाम बताइए। कटवा सकते हो तो कटवा लेना। बीजेपी सांसद ने वहां मौजूद पत्रकार से पूछा, क्या आप मेरा टिकट कटवा रहे हैं? उन्होंने कई बार रौबीले अंदाज में पत्रकारों से यह सवाल किया।

आनंद महिंद्रा समेत 13 अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

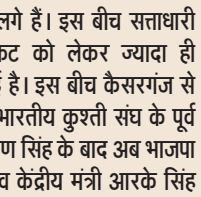

कानपुर। कानपुर में एक स्कार्पियो का एयरबैग नहीं खुलने के कारण एक व्यक्ति की बेटे की जान चली गई जिसपर वो आनंद महिन्द्रा समेत 13 कर्मचारियों पर धोखाधड़ी समेत गंभीर धाराओं में रायपुर वा थाने में मुकदमा दर्ज करवा चूके हैं।

पीड़ित ने बताया है कि महिन्द्रा के कर्मचारियों ने बिना एयरबैग लगी स्कार्पियो भेज दी, जिससे हुए हादसे में उनके इकलौते बेटे की मौत हो गई। जूही निवासी राजेश मिश्रा ने जानकारी दी कि दो दिसंबर 2020 को जरीब चौकी स्थित तिरुपति ऑटो से उन्होंने एक काले रंग की स्कार्पियो खरीदी थी। कंपनी द्वारा गाड़ी की खूबियों और सुरक्षा के बारे में जानकारी देते हुए यह बताया गया था कि इसमें एयरबैग लगा हुआ है जब भी। एक्सीडेंट होगा तो एयर बैग खुल जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने के बाद सवालों से बच रहे सांसद बिधूड़ी

» संसद में बसपा सांसद दानिश अली पर किया था अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा सदन में लाइव कार्यवाही के दौरान अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने और बसपा सांसद ने बदतमीजी करने के बाद भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इस मामले को लेकर अब बिधूड़ी से पत्रकारों ने भी सवाल करना शुरू कर दिया है। इस बीच जब मीडिया ने भाजपा सांसद बिधूड़ी से सवाल किया तो वो मामले से बचते नजर आए।

सांसद ने कोई भी टिप्पणी करने से साफ इंकार कर दिया। लेकिन स्पीकर को लेकर दो लफ्ज बोले और निकल गए। इससे पहले भी जब बिधूड़ी से मीडिया ने जवाब मांगा था, तब भी उन्होंने कहा था कि नो कॉमेंट्स।

भाजपा सांसद ने बोला कि जो चीजें संसद के अंदर की हैं, वो उसके बारे में बात नहीं कर सकते। रमेश बिधूड़ी अपने इस 'नो कॉमेंट' को लेकर भी सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे हैं। कई यूजर्स ने ये उम्मीद भी जताई है कि स्पीकर जल्द से जल्द बिधूड़ी के खिलाफ सख्त एक्शन लेंगे।

बसपा सांसद पर की थी अमर्यादित टिप्पणी

गौरतलब है कि 22 सितंबर को टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने एक वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो में बिधूड़ी काफी देर तक दानिश अली के खिलाफ सांप्रदायिक बयानबाजी और गाली गलौज करते नजर आए थे। उन्होंने इतनी शर्मनाक बातें कहीं कि हम उसे लिख भी नहीं सकते। बिधूड़ी का वो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हर कोई घटना की की निंदा कर रहा है। विपक्ष के नेता बिधूड़ी के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। कई नेताओं ने बिधूड़ी के वीडियो को शेयर कर प्रधानमंत्री पर ही सवाल उठाए हैं।

दानिश अली ने कार्रवाई न होने पर की सांसदी छोड़ने की बात

इस मामले पर दानिश अली का कहना है कि जब उनके जैसे चुने हुए व्यक्ति की स्थिति देश में ये है, तो एक आम आदमी की स्थिति क्या होगी। अली ने कहा कि मुझे विश्वास है कि लोकसभा अध्यक्ष इस घटना पर कार्रवाई करेंगे।

अपोलो हॉस्पिटल बना मौत का घर, कुछ ही घंटों में हुईं दो मौतें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपोलो हॉस्पिटल में एक बार फिर पैसे के चलते गई एक और जान इंसान की जान चली गई। इतना ही नहीं मृतक के परिजनों के साथ वहां के सिक्योरिटी गार्ड ने मारपीट भी की।

परिजनों का आरोप है कि मृतक प्रदीप कुमार की मृत्यु दिन में हो गई थी बाद भी लगातार अस्पताल प्रशासन पैसे की उगाई करते रहे। पैसे नहीं मिलने पर डॉक्टर राजू रंजन वा सिक्योरिटी गार्ड ने की मारपीट

परिजनों आरोप है कि 6 लाख रुपए लेने के बाद ढाई लाख की फिर करी डिमांड विरोध बढ़ता देख क्षेत्रीय पुलिस बुलाई। जबकि पुलिस मूर्ख दर्शक बनी रही।

सत्संगियों का उपद्रव : मुंह में राम बगल में छूरी

» आगरा में अतिक्रमण हटाने गए पुलिस प्रशासन पर किया हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। प्रदेश के आगरा में सत्संगियों का जो रूप देखने को मिला, वो काफी हैरान करने वाला है। सत्संगियों का ये रूप देखकर ये कहावत चरितार्थ होती है कि 'मुंह में राम, बगल में छूरी'.. क्योंकि जिस तरह से इन सत्संगियों ने पुलिसकर्मियों पर पत्थरबाजी की और हमला किया, वो कोई भी सत्संगी तो नहीं ही कर सकता।

दरअसल, आगरा में राधास्वामी सत्संग सभा दयालबाग के अवैध कब्जा कर बनाए गेट को रविवार की शाम तीसरी पुलिस प्रशासन हटाने पहुंचा। लेकिन जब तीसरी बार पुलिस प्रशासन पहुंचा तो टीम पर सत्संगियों ने हमला बोल दिया। पुलिस को चारों ओर से घेरकर पथराव किया, जिसमें 12 पुलिसकर्मियों समेत 40 लोग घायल हो गए। जिसके चलते सत्संगियों की इस रणनीति और उपद्रव के आगे पुलिस बल भी नाकाम हो गया। क्योंकि सत्संगियों द्वारा 15 मिनट में 3 बार पुलिसकर्मियों पर पथराव हुआ। कील लगे डंडे तक मारे गए। एसओ जगदीशपुरा जितेंद्र कुमार सहित 10 पुलिस वाले घायल हुए। अधूरी तैयारी ने अफसरों को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया।

दरअसल, पहले पुलिस प्रशासन शनिवार को कब्जा हटाने पहुंची थी। लेकिन शनिवार को कब्जा हटाने के बाद रात में दुबारा गेट बना लिए गए थे, तारबंदी कर दी गई थी। रविवार को पुलिस, प्रशासन की टीम पहुंची लेकिन तैयारी अधूरी थी। भगवान टॉकीज पर रास्ता रोक दिया गया था।

जाप करते हुए पुलिस पर फेंके ईंट-पत्थर

शहरभर के थानों की फोर्स बुलाई गई थी। महिला पुलिसकर्मी अलग से थीं। इनमें आधे से ज्यादा पुलिसकर्मी हेलमेट, डंडा और प्रोटेक्टर के साथ थे। मगर जब सत्संगियों ने ईंट-पत्थर और डंडे चलाए तो पुलिसकर्मी नहीं टिक सके। हेलमेट, डंडा, बाडी प्रोटेक्टर सब फेल हो गए। गौरतलब है कि दयालबाग में खेतों के रास्तों से गेट और दीवार हटाने के बाद से ही सत्संगियों ने रणनीति बनाना शुरू कर दिया था। सोशल मीडिया पर मैसेज प्रसारित किया गया कि पुलिस प्रशासन की कार्रवाई असांविधानिक है। रविवार शाम को जब पुलिस बल दोबारा अतिक्रमण हटाने पहुंचा तो खेतों से लेकर कॉलोनियों की छतों पर सत्संगी इकट्ठे हो गए। उनकी जुबां पर जाप, आंखों में आग और हाथों में हथियार थे। राधा...स्वामी का जाप करते हुए सत्संगी खेतों में कंटीले तारों की बाड़ से पुलिस प्रशासन की कार्रवाई पर नजर गड़ाए थे।

एनडीए में शामिल होने की चर्चाओं को नीतीश ने बताया फालतू बात

» इंडिया गठबंधन में सभी दल एकजुट: नीतीश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी दलों ने योजना बनानी शुरू कर दी है और अपने-अपने पत्ते फेकने भी शुरू कर दिए हैं। इस बार भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए को टक्कर देने के लिए पूरा विपक्ष एकजुट होकर इंडिया गठबंधन के बैनर तले आया है। इस विपक्षी एकता में बिहार के सीएम नीतीश कुमार का योगदान सबसे बड़ा है।

नीतीश कुमार ने बीजेपी के खिलाफ लड़ाई के लिए विपक्षी दलों को एकजुट किया है। लेकिन अचानक पिछले कुछ दिनों से इन सबके बीच बार-बार एक बार फिर ये चर्चा भी हो रही है कि नीतीश कुमार एक बार फिर से एनडीए के साथ जा सकते हैं। ऐसे चर्चाएं नीतीश के जी20 में शामिल होने के बाद से और भी तेज हो गई हैं। अब इससे जुड़ी चर्चाओं पर खुद नीतीश कुमार ने अपना रुख साफ कर दिया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए जब नीतीश से ये सवाल किया गया कि क्या इस बात में सच्चाई है कि आपका लगाव एनडीए की तरफ जा रहा है? इस सवाल का जवाब देते हुए सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि क्या फालतू बात है। किसको क्या चर्चा करना है छोड़िए। आप जान रहे हैं कि विपक्षी दलों को एकजुट करने के लिए कितना हम लगे रहे। कितनी बड़ी उपलब्धि हो रही है। कौन क्या करता रहता है उससे हमको क्या लेना देना है।

गठबंधन में सब एकजुट होकर कर रहे काम

वहीं इंडिया गठबंधन की अगली बैठक पर नीतीश कुमार ने कहा कि सब कुछ चल ही रहा है। सब कोई एकजुट होकर काम कर रहे हैं। हम तो लगातार प्रयास कर ही रहे हैं। आगे की बैठक को लेकर बातचीत हो गई है। सारी कामिटियां बन गई हैं। वहीं सीएम ने खुसरूपुर में हुई घटना पर कहा कि जो भी दोषी होंगे उन पर कार्रवाई होगी।

जल्द सार्वजनिक होगी जातिगत जनगणना की रिपोर्ट

वहीं मुख्यमंत्री ने जाति आधारित जनगणना की रिपोर्ट के सार्वजनिक करने लेकर कहा कि जल्द ही रिपोर्ट सार्वजनिक किया जाएगा। वहीं सीएम ने मंत्रिमंडल विस्तार के सवाल पर कन्नी काटते हुए कहा कि मंत्रिमंडल कितना ब?ा है अगर होना होगा तो होगा ही, बाकि डिप्टी सीएम बताएंगे। वहीं तेजस्वी यादव ने भी कहा कि जब होगा तो बताएंगे।

भाजपा पर साधा निशाना

बता दें कि नीतीश कुमार पंडित दिन दयाल उपाध्याय के जयंती समारोह कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। उनके साथ बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी मौजूद थे। इस दौरान नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव ने पंडित दिन दयाल उपाध्याय के मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इसके बाद पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हम लोग तो आते रहते हैं ये कोई बात नहीं है, जिन्हें आना चाहिए था वो नहीं आए, उनसे पूछिए न। नीतीश ने पंडित दीन दयाल की जयंती में शामिल होने को लेकर कहा कि हम सब सभी का सम्मान करते हैं इसलिए हम कार्यक्रम में आए हैं। हम हमेशा आते रहते हैं। वहीं मंगलवार के बजाय आज ही कैबिनेट की बैठक के आयोजन पर नीतीश ने कहा कि तेजस्वी यादव के नहीं रहने के कारण आज बैठक कराई जा रही है। दरअसल तेजस्वी यादव को बाहर जाना था इसलिए आज कैबिनेट की बैठक की जा रही है।

ओवैसी और भाजपा हैं जुड़वा भाई: प्रमोद तिवारी

» एआईएमआईएम चीफ द्वारा राहुल के हैदराबाद से चुनाव लड़ने की चुनौती देने पर कांग्रेस ने किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी और कांग्रेस बीच जुबानी जंग लगातार जारी है। अब ओवैसी द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आगामी लोकसभा चुनाव में वायनाड से नहीं बल्कि हैदराबाद से चुनाव लड़ने की चुनौती देने पर कांग्रेस की ओर से भी पलटवार किया गया है। कांग्रेस की ओर से कहा गया है कि ओवैसी हमेशा सिर्फ वो करते हैं जो उनसे भाजपा कहती है। ताकि भाजपा की मदद हो सके।

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि असदुद्दीन ओवैसी अप्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है, यह एक संयोग है कि जब भाजपा को जरूरत पड़ती है तो ओवैसी वे सभी बयान देते हैं जो भगवा पार्टी की मदद करते हैं। तिवारी ने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि नागपुर में कुछ लिख दिया हो और जुबान ओवैसी की होती है।

प्रमोद तिवारी ने कहा कि तभी मैं बोलता हूं कि ओवैसी और भाजपा दोस्त नहीं हैं, बल्कि जुड़वा भाई हैं। क्योंकि जुड़वां भाइयों के बीच में ही एक जैसे विचार आते हैं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि मैं बहुत साफ कहना चाहता हूं कि जो गठबंधन इंडिया है, उसे लेकर सब महसूस कर सकते हैं कि हमारी लड़ाई सभी वर्गों के प्रतिनिधित्वों की है, जो संसद और विधानसभा पहुंचें। लेकिन मैं भाजपा को कोई मौका नहीं देना चाहता, जो महिला आरक्षण में रुकावट बन सके।

फोटो: 4पीएम

जयंती जयंती के अवसर पर चारबाग स्थित पंडित दिनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया माल्यार्पण।

गैंगस्टर मामले में मुख्तार अंसारी को मिली जमानत

» इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

» पांच लाख के जुर्माने पर भी लगाया स्टे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। माफिया मुख्तार अंसारी को गैंगस्टर मामले में आज इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। गैंगस्टर मामले में ट्रायल कोर्ट से मिली 10 साल की सजा पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए मुख्तार अंसारी की जमानत मंजूर कर ली है। इसके साथ ही सजा के साथ लगाए गए 5 लाख रुपए के फाइन को भी हाईकोर्ट ने स्टे कर दिया है। जस्टिस राजवीर सिंह की सिंगल बेंच ने आज ये बड़ा फैसला सुनाया।

हालांकि, सजा पर रोक लगाए जाने की मुख्तार अंसारी की अपील को हाईकोर्ट ने नहीं माना। हाईकोर्ट ने मुख्तार अंसारी की सजा पर रोक लगाए जाने से इनकार कर दिया। इसका मतलब है कि सजा के खिलाफ दाखिल अपील पर हाई कोर्ट में सुनवाई जारी रहेगी।

20 सितंबर को हाईकोर्ट ने सुरक्षित रखा था फैसला

इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बहस पूरी होने के बाद 20 सितंबर को फैसला सुरक्षित कर लिया था। मुख्तार अंसारी ने हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल कर 10 साल की मिली सजा को चुनौती दी थी। बता दें कि गाजीपुर की एमपी एमएलए स्पेशल कोर्ट ने गैंगस्टर मामले में सजा सुनाई थी। 29 अप्रैल को मुख्तार अंसारी को दोषी करार देते हुए 10 साल की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट में मुख्तार अंसारी के अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने सर्टिफिकेट दाखिल किया था। वकील की दलील थी कि मिली हुई सजा से ज्यादा का दिन मुख्तार अंसारी ट्रायल के दौरान ही जेल में भुगत चुके हैं। इस मामले में कोर्ट ने बांदा जेल अधीक्षक से भी रिपोर्ट मांगी थी।

बांदा जेल में बंद हैं मुख्तार

मुख्तार अंसारी बांदा जेल में ही बंद है। सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने जमानत अर्जी का विरोध किया था। इसी मामले में मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी को पहले ही जमानत मिल चुकी है। गाजीपुर एमपी एमएलए स्पेशल कोर्ट ने अफजाल अंसारी को 4 साल की सजा सुनाई थी। जिससे उनकी संसद सदस्यता समाप्त हो गई थी।

भाजपा विधायक के फ्लैट में फांसी पर लटकता मिला शव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के बख्शी का तालाब विधानसभा सीट से भाजपा विधायक योगेश शुक्ला के सरकारी फ्लैट में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रविवार में रात को सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से उतारा और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान श्रेष्ठ तिवारी के रूप में हुई है, जो विधायक के सोशल मीडिया का काम देखता था। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। आत्महत्या की वजह भी अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है।

रविवार देर रात श्रेष्ठ तिवारी विधायक के फ्लैट नंबर 804 में अकेले था। आत्महत्या से कुछ देर पहले उसने अपने परिचित से फोन पर खुदकुशी की बात बताई थी। जिसके बाद जब उस परिचित ने फोन किया तो श्रेष्ठ तिवारी का फोन नहीं उठा। इसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी तो शव पंखे से लटक रहा था। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। इंस्पेक्टर हजरतगंज प्रमोद कुमार पांडेय ने बताया कि मृतक श्रेष्ठ तिवारी बाराबंकी के हैदरगढ़ का रहने वाला था और विधायक के मीडिया सेल का कर्मचारी था।

अवैध पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका, चपेट में आए कई घर

» शहर के बीचो-बीच कई सालों से चल रहा था कारोबार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। प्रदेश के सीतापुर में घनी आबादी के बीच अवैध रूप से संचालित की जा रही पटाखा फैक्ट्री में आज सुबह जोरदार धमाका हो गया। इस धमाके के चलते एक बड़ा हादसा हो गया। धमाके की गूंज इतनी जोरदार थी कि पूरा कस्बा दहल उठा। इतना ही नहीं आसपास के कई मकान व दुकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि, अभी तक इस हादसे में किसी की जान जाने की बात सामने नहीं आई है। जिस घर में धमाका हुआ वहां पर गैस सिलेंडर भी रखा हुआ था। धमाके की गूंज के साथ आसपास घरों में मौजूद लोग भाग कर सुरक्षित स्थान पर पहुंच गए।

घटना की जानकारी मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची। बताया जाता है कि कस्बे में भारी संख्या में लोग पटाखा बनाने का काम करते हैं, लेकिन किसी के पास भी इसका लाइसेंस नहीं है। यह पूरा मामला सदरपुर थाना क्षेत्र के कस्बे का है।

पिछले कई सालों के बीच चोरी-छिपे बनते थे पटाखे

बताया जा रहा है कि कस्बे का रहने वाला पुत्तन बड़े चौराहे पर घनी आबादी के बीच अपने परिवार के साथ रहता है। पुत्तन पिछले कई सालों से चोरी छिपे पटाखा बनाने का काम करता चला आ रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।